an>

Title: Need to run an express train from Visakhapatnam to Kirandul.

श्री बलभद्र माझी (नबरंगपुर): सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। विशाखापट्टनम से किरनडोल 445 किलोमीटर की एक रेलवे लाइन है, जो जापान सरकार के पैसे से वर्ष 1966 में बनी थी। यह एरिया बहुत ही बैकवर्ड एरिया है जहां 55 प्रतिशत आदिवासी लोग, 15 प्रतिशत एस.सी. और 20 प्रतिशत ओ.बी.सी. के भाई रहते हैं। इसका मतलब यह है कि इस 445 किलोमीटर के एरिया में 90 प्रतिशत बैकवर्ड क्लास के लोग रहते हैं। यह लाइन इनीशियली वहां के लौह अयस्क को ले जाने के लिए बनी थी। उसका एग्रीमेंट काल भी खत्म हो गया है। इस लाइन पर पैसेंजर्स के लिए सिर्फ ट्रांसपोर्टेशन के अलावा और कोई सुविधा नहीं है। इस 445 किलोमीटर में सिर्फ एक पेयर ऑफ पैसेंजर ट्रेन चलती है, सिवाय एक सौ किलोमीटर एरिया को छोड़कर, जहां दो पेयर एक्सप्रेस ट्रेन कोरापुट और जगदलपुर के बीच में चलती हैं। वहां 10 मिलियन लोग वास करते हैं। बस्तर का पूरा एरिया कोरापुट, आरक और वाल्टेयर इसमें आता है। इतने बड़े एरिया में, 445 किलोमीटर की इस लंबाई में कोई एक्सप्रैस ट्रेन नहीं है, इसलिए वहां एक एक्सप्रैस ट्रेन होनी चाहिए। स्टेशनों का बुरा हाल है। यहां करीब 45 स्टेशनों में से 5 में एफ.ओ.बी. हैं और आठ स्टेशनों पर प्लेटफार्म शैल्टर, हाई लैवल प्लेटफार्म हैं और बाकी स्टेशनों में हाई लैवल प्लेटफार्म भी नहीं है, न पानी की सुविधा है, न टाएलेट की सुविधा है और न ही एप्रोच रोड है। यहां के बाकी स्टेशनों पर सुविधा होनी चाहिए और एक्सप्रेस ट्रेन होनी चाहिए ताकि लोगों को ट्रेन होने का कोई लाभ मिल सके।